घोषणा की गई । इस घोषणा के परिणाम-स्वरूप दोनों पक्षों के मध्य सीधी वार्ता भंग हो गई और तीसरी बैठक के बाद सीधी बातचीत प्रारम्भ करना संभव नहीं था ।

पूर्वोत्तर दिल्ली में रह रहे बांग्लादेशी

2078. **श्री अनन्त राम जायसवाल** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 11 सितम्बर, 1992 के ''जनसत्ता'' (नई दिल्ली) में ''अब बहुत सहमे और अनिश्चय में हैं बांग्लादेशी'' शीर्षक से प्रमुख पृष्ठ पर प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि बांग्लादेश को वापस भेजे गए कुछ लोगों की पत्नियों और बच्चों को नई सीमापुरी में छोड़ दिया गया था;

(ग) क्या यह सच है कि पूर्वोत्तर दिल्ली में रहने वाले बांग्लादेशी लोगों की जनसंख्या 25,000 से 30,000 के बीच है और ये लोग पिछले 20 वर्षों से यहां आ कर बस रहे हैं, यदि हां, तो ऐसा किन परिस्थितियों में संभव हुआ; और

(घ) क्या यह भी सच है कि इन बांग्लादेशी लोगों के नाम दिल्ली के पूर्वोत्तर जिले की मतदाता सूची में शामिल किए गए हैं और उन्हें राशन कार्ड जारी कर दिए गए थे और इनमें से कुछ लोगों ने अपने पक्के मकान भी बना लिए हैं ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. एम. जैकब) : (क) जी हां, श्रीमन् ।

(ख) और (ग) दिल्ली प्रशासन ने सूचित किया है कि कुछ एक बस्तियों में बांग्लादेशी अवैध प्रवासी रह रहे हैं । दिल्ली के उत्तर-पूर्व में रहे अवैध प्रवासियों की संख्या अथवा परिवारों के बारे में सूचना का कोई ठीक-ठीक अनुमान उपलब्ध नहीं है ।

(घ) मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम भारत के चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर निर्धारित दिशा-निर्देशों और प्रक्रिया के अनुसार किए जाते हैं । राशन कार्ड, पात्र व्यक्तियों को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करने के लिए राज्य सरकारों द्वारा जारी किए जाते हैं । इस बात से मना नहीं किया जा सकता है कि अवैध प्रवासियों द्वारा अपने पूर्व वृतान्तों को छिपाकर राशन कार्ड प्राप्त करने और पक्के मकान इत्यादि बनाने जैसी अन्य सुविधाएं प्राप्त की जाती हैं । हो सकता है कि कुछ प्रवासियों ने अपनी राष्ट्रीयता के बारे में तथ्यों को छिपाकर, अपने आपको मतदाताओं के रूप में दर्ज करा लिया हो ।

Confidence among people of Punjab

2079. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of HOME AFFATRS be pleased to state:

(a) what is the number of civilians, security personnel 'and terrorists killed in Punjab since the present State Government took over;

(b) their break-up, urban area and rural area-wise;

(c) whether the confidence of the people of the State has increased'; and

(d) if so, whether the number of people living in the rural areas has increased, if so, to what extent ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PAKUIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE m THE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JAOOB) ; (a) During the period from Feb. 25, 1992 upto 14th Nov. 1992, 968 civilians, 203 security personnel and 1709 terrorists have been killed.

(b) Out of a total of 1171 civilians and security personnel killed, 196 were killed in urban areas and 975 in Rural areas.

(c) and (d) Due to overall improvement in law & order situation people in rural areas who had been affected considerably on account of terrorist activities are having a sigh of relief. Migration has completely stopped. Rather, migrated families